Teacher's Manual

Carvaan

व्याकरण

Preparatory Stage

Class 5

MASTERMIND

Carvaan

व्याकरण भाग-5

अध्याय 1

भाषा और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) अपने विचारों को बोलकर अथवा लिखकर बताने वाले माध्यम को भाषा कहते हैं।

(ख) बोली किसी क्षेत्र की भाषा होती है। जो वहीं के लोगों द्‌वारा बोली जाती है।

(ग) भाषा को लिखने के निर्धारित चिह्नों को लिपि कहते हैं।

(घ) भाषा को शुद्‌ध रूप से लिखने तथा बोलने का ज्ञान करने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii)	(ख) (iii)	
उ०2. (क) ✗	(ख) ✓	(ग) ✗
(घ) ✓	(घ) ✗	
उ०3. (क) 22	(ख) देवनागरी	(ग) फारसी
(घ) बोली	(ङ) भाषा	

क्रियात्मक कार्य

- स्वयं करें।

अध्याय 2
वर्ण विचार

मौखिक प्रश्न

उ० (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।

(ख) स्वरों का स्वतंत्र उच्चारण किया जाता है, जबकि व्यंजन को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।

(ग) स्वरों के निर्धारित चिह्नों को मात्रा कहते हैं।

(घ) दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहा जाता है और उनकी मूल पहचान समाप्त हो जाती है, जबकि संयुक्ताक्षर की मूल पहचान समाप्त नहीं होती।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

उ०2. (क) अयोगवाह (ख) संयुक्त व्यंजन (ग) संयुक्ताक्षर

(घ) वर्ण–विच्छेद

उ०3.

(क)	अग	अंग	(ख)	आगन	आँगन
(ग)	कघी	कंघी	(घ)	ऊट	ऊँट
(ङ)	खासी	खाँसी	(च)	बकर	बंकर
(छ)	चादी	चाँदी	(ज)	चचल	चंचल
(झ)	पाच	पाँच	(ञ)	कगारू	कंगारू

उ०4.

(क)	न्+म = न्म	जन्म	आजन्म	जन्मजात
(ख)	द्+य = याद्य	विद्यार्थी	उद्यान	विद्वान
(ग)	न्+य = न्य	न्याय	न्यारा	अन्याय
(घ)	च्+छ = च्छ	कच्छुआ	लच्छा	कच्छ

उ०5. (क) दशहरा = द्+अ+श+अ+ह्+र+आ

(ख) चित्रकार = च्+इ+त्+र+अ+क्+आ+र+अ

(ग) कलाकार = क्+अ+ल्+अ+आ+क्+अ+र्+अ

(घ) प्रकाशक = प्+र+क्+अ+आ+श्+अ+क्+अ

(ङ) संयुक्त = स्+अं+य्+उ+क्+त्+अ

क्रियात्मक कार्य

- (i) ग़ज़ल – ग्+अ+ज्+अ+ल्+अ
  (ii) ऑफिस – ऑ+फ्+इ+स्+अ
  (iii) जायज़ – ज+आ+य्+अ्+ज्+अ+ह
  (iv) रोज़ – र्+ओ+ज्+अ+ह

अध्याय 3
शब्द संरचना

मौखिक प्रश्न

उ० (क) वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।

(ख) शब्द चार प्रकार के होते हैं।

(ग) रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं।

(घ) विकारी शब्द को वाक्य में प्रयोग करने पर विकार उत्पन्न हो जाता है, जबकि अविकारी शब्दों में कोई विकार उत्पन्न नहीं होता।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

(घ) (i)

उ०2.

पाठ+शाला	पाठशाला	चिकित्सा+आलय	चिकित्सालय
स्नान+घर	स्नानघर	रेल+गाड़ी	रेलगाड़ी
मेघ+आलय	मेघालय	जय+माला	जयमाला
देव+आलय	देवालय	संग्रह+आलय	संग्रहालय

उ०3.

(क) हस्त	(i) दाँत
(ख) दंत	(ii) दही
(ग) दधि	(iii) सूरज
(घ) मयूर	(iv) हाथ
(ङ) सूर्य	(v) ओंठ
(च) गृह	(vi) मोर
(छ) ओष्ठ	(vii) घर

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) (i) दो रूढ़ शब्द — हाथी, दवा

(ii) दो यौगिक शब्द — नीलकमल, राजभवन

(iii) दो योगारूढ़ शब्द — पवनसुत, पंकज

(ख)

ज	ल	द	र	☺
☺	☺	☺	हा	र
अ	स	फ	ल	ग
☺	☺	प्र	आ	री
☺	☺	दा	का	ब
अ	ग्	न	श	ला
☺	☺	☺	☺	भ

शब्द	**उत्तर**
जीत	हार
आग	अग्नि
बादल	जलद
सफल	असफल
हानि	लाभ
अंबर	आकाश
आदान	प्रदान
दरिद्र	गरीब

अध्याय 4

संज्ञा

मौखिक प्रश्न

उ० (क) किसी वस्तु, स्थान, प्राणी तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) ऐसे शब्द जो किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं इन्हें व्यक्तिवाचक शब्द कहते हैं।

(ग) जो शब्द भावों के नाम का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

(घ) जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)
(घ) (iii)

उ०2.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	भगत सिंह, सचिन तेंदुलकर, बरेली, ताजमहल
जातिवाचक संज्ञा	शेर, फूल, नदी, लड़का
भाववाचक संज्ञा	शत्रुता, बचपन, भलाई, लालिमा

उ०3.

मोटा	मोटाई	मानव	मानवता
काला	कालापन	अपना	अपनापन
अच्छा	अच्छाई	धोना	धुलाई
सजाना	सजावट	खेलना	खिलाई
सफल	सफलता		

क्रियात्मक कार्य

• 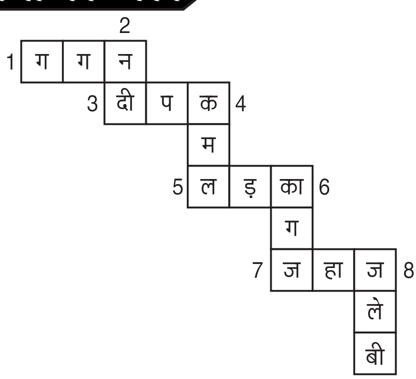

1. आकाश का पर्याय
2. सरिता का अन्य नाम
3. दीया का पर्याय
4. पंकज का पर्याय
5. पुत्र का दूसरा नाम
6. लिखने की वस्तु
7. पानी पर चलने वाला
8. मिठाई का नाम

अध्याय 5

संज्ञा के विकार : लिंग

मौखिक प्रश्न

उ० (क) किसी वस्तु या प्राणी के स्त्री अथवा पुरुष होने का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

(ख) लिंग के दो भेद हैं– पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

(ग) बाज, कछुआ, देश का नाम, उल्लू, भालू।

(घ) कोयल, मक्खी, नदी, तितली, मछली।

(ङ) मंत्री, खिलाड़ी, डॉक्टर, कलाकार, राष्ट्रपति आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (iii)

उ०2.

सुनार	सुनारिन	वीर	वीरांगना
आयुष्मान	आयुष्मती	भगवती	भगवान
सेवक	सेविका	ठकुराइन	ठाकुर
अध्यक्षा	अध्यक्ष	पाठक	पाठिका
बछिया	बछड़ा	वधू	वर

उ०3. (क) पंडिताइन जी ने पूजा की।

(ख) कवयित्री ने कार्यक्रम में अच्छी कविता पढ़ी।

(ग) गायक ने मधुर गीत गाया।

(घ) चाचा ने मामी को उपहार दिया।

क्रियात्मक कार्य

- **दो पर्वतों के नाम**

  (i) हिमालय (ii) यूराल **पुल्लिंग**

  दो तिथियों के नाम

  (i) एकादशी (ii) चतुर्थी **स्त्रीलिंग**

दो देशों के नाम

(i) भारत (ii) रूस **पुल्लिंग**

दो ग्रहों के नाम

(i) मंगल (ii) बुध **पुल्लिंग**

दो नदियों के नाम

(i) गंगा (ii) यमुना **स्त्रीलिंग**

दो धार्मिक पुस्तकों के नाम

(i) रामायण (ii) बाइबिल **स्त्रीलिंग**

अध्याय 6
वचन

मौखिक प्रश्न

उ० (क) शब्द के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन तथा बहुवचन।

(ग) पानी, दूध, आकाश, सत्य, जनता।

(घ) लोग, दर्शन, हस्ताक्षर, बाल, प्राण।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (i)

उ०2. (क) कथा – कथाएँ (ख) ऋतु – ऋतुएँ

(ग) बुढ़िया – बुढ़ियाएँ (घ) वधू – वधुएँ

(ङ) टोपी – टोपियाँ (च) कविता – कविताएँ

(छ) पत्नी – पत्नियाँ (ज) मिठाई – मिठाईयाँ

(झ) दुकान – दुकानें (ञ) तिथि – तिथियाँ

उ०3. (क) दादाजी मेरे लिए मनपसंद खिलौने लाए।

(ख) पुजारियों ने मंदिर में मालाएँ चढ़ाईं।

(ग) मुझे नई किताबें खरीदनी पड़ी।

(घ) डॉक्टर ने रोगी को दवाएँ दीं।

(ङ) हमें महिलाओं का आदर करना चाहिये।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) (i) घड़ा – 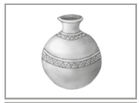 – घड़े

(ii) बूँद – – बूँदें

(iii) माला – – मालाएँ 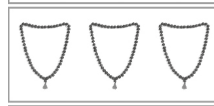

(iv) मछली – 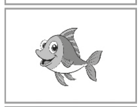 – मछलियाँ 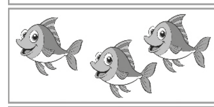

(v) पुस्तक – 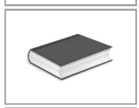 – पुस्तकें 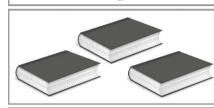

(vi) केला – – केले

(ख) (i) पिता जी बाजार गये हैं।

(ii) माता जी पूजा कर रहीं हैं।

(iii) शास्त्री जी बहुत सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

(iv) दादा जी आज शहर जाएँगे।

(ग) (i) पतंग – पतंगे : आकाश में रंग-बिरंगी पतंगे उड़ रही हैं।

(ii) कविताएँ – कविता : बच्चे ने कविता सुनाई।

(iii) गिलहरियाँ – गिलहरी : गिलहरी दौड़कर पेड़ पर चढ़ गई।

(iv) रोटी – रोटियाँ : मामाजी ने रोटियाँ थाली में रख दीं।

(v) ऋतु – ऋतुएँ : हमारे देश में ऋतुएँ बदलती रहती हैं।

(vi) गुडिया – गुड़ियाँ : मोना के पास कई गुड़ियाँ हैं।

अध्याय 7

कारक

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप का संबंध दूसरे शब्दों से जाना जाए, वे कारक कहलाते हैं।

(ख) कारक के आठ भेद होते हैं– 1. कर्ता कारक, 2. कर्म कारक, 3. करण कारक, 4. संप्रदान कारक, 5. अपादान कारक, 6. संबंध कारक, 7. अधिकरण कारक, 8. संबोधन कारक।

(ग) कारक चिह्न को परसर्ग भी कहते हैं।

(घ)

कारक	**विभक्ति चिह्न**
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, द्‌वारा (साधन के अर्थ में)
संप्रदान	को, के लिए
अपादान	से (अलगाव के अर्थ में)
संबंध	का, की, के, रा, री, रे आदि
अधिकरण	में, घर
संबोधन	हे, ओ, अरे आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii)
(घ) (iii)

उ०2. (क) ने (ख) ने, को (ग) की
(घ) ने, पर (ङ) से

उ०3.

ने	कर्ता कारक	से, के द्‌वारा	करण कारक
के लिए	संप्रदान कारक	का, की, के	संबंध कारक
हे! अरे	संबोधन कारक	में, पर	अधिकरण कारक

क्रियात्मक कार्य

- (क) कर्मकारक – रामू को बाजार भेजो।
  अधिकरण कारक – डाल पर तोता बैठा है।
  संबोधन कारक – अरे बच्चों! शोर मत करो।
  अपादान कारक – बाल्टी से पानी गिर गया।

उ० (ख) (i) माँ **ने** खाना बनाया – कर्ता कारक

(ii) 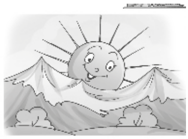 सूरज पूरब **से** निकलता है। – अपादान कारक

(iii) बादलों **से** वर्षा हो रही है। – अपादान कारक

(iv) तबलावादक **ने** तबला बजाया। – कर्ता कारक

(v) बंदर पेड़ **से** कूद गया। – अपादान कारक

अध्याय 8
सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

(ख) सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं।

(ग) जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित प्राणी, वस्तु का ज्ञान हो उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं जबकि जिन शब्दों से किसी वस्तु का निश्चित ज्ञान न हो उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

उ०2. (क) कौन (ख) वह (ग) क्या

(घ) वह

उ०3. मरुस्थलों में कुछ लोग घुमक्कड़ जीवन व्यतीत करते हैं। ये अपने ऊँटों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं। इनकी आय का मुख्य साधन व्यापार होता है। जो वस्तु एक स्थान पर अधिक मिलती है, उसे वे दूसरे स्थान पर पहुँचाते हैं। इसके बदले उन्हें पैसा मिलता है। मरुस्थलों की आर्थिक-व्यवस्था में इनका महत्वपूर्ण स्थान है।

उ०4.

	वाक्य	**सर्वनाम शब्द**	**भेद**
(क)	सतीश को कहीं जाना है।	कहीं	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ख)	वे, कपिल और श्यामू घूमने गये।	वे	निश्चयवाचक सर्वनाम
(ग)	पिता जी कहीं जा रहे हैं।	कहीं	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(घ)	जो झूठ बोलता है, वह कभी सफल नहीं होता है।	जो, वह	संबंधवाचक सर्वनाम

क्रियात्मक कार्य

- शिक्षक के हाथों में विद्यार्थी का भविष्य होता है। इसी कारण गुरु का स्थान सर्वोच्च है। मेरे प्रिय अध्यापक हिंदी के XXX हैं। वे बहुत सरली स्वभाव के हैं। यदि कोई विद्यार्थी अध्ययन संबंधी परेशानी अनुभव करता है तो वे बड़ी सहजता से उसे समझाते हैं। वे बहुत मिलनसार तथा बुद्धिमान हैं। मेरे कई सहपाठी भी उन्हें अपना पसंदीदा शिक्षक मानते हैं।

अध्याय 9
विशेषण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं- गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा संकेतवाचक विशेषण।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

उ०2.

गुणवाचक	संख्यावाचक	परिमाणवाचक	संकेतवाचक
चालाक	बत्तीस	तीन मीटर	वह
चटपटा	एक दर्जन	थोड़ा	यह
जापानी	100 किमी	दस किग्रा	उस
लम्बाई	पाँचवाँ	एक दर्जन	कोई

उ०1. (क) दो किलो (ख) नीली (ग) मनमोहक

(घ) हरी (ङ) लाल

क्रियात्मक कार्य

- विनोबा भावे का मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में एक गाँव है, गागोदा। यहाँ के चित्तपावन ब्राह्मण, नरहरि थे। वे गणित के प्रेमी और वैज्ञानिक सूझ-बूझवाले थे। रसायन विज्ञान में उनकी रुचि थी। उन दिनों रंगों का बाहर से आयात करना पड़ता था। नरहरि भावे रात-दिन रंगों की खोज में लगे रहते। बस एक धुन थी कि भारत को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उनकी पत्नी रुक्मिणी बाई विदुषी महिला थीं। उदार-चित्त, आठों याम भक्ति-भाव में डूबी रहतीं। इसका असर उनके दैनिक कार्य पर भी पड़ता था। मन कहीं और रमा होता, तो कभी सब्जी में नमक कम पड़ जाता, कभी ज्यादा। कभी दाल के बघार में हींग डालना भूल जातीं, तो कभी बघार दिए बिना ही

दाल परोस दी जाती। पूरा घर भक्ति रस से सराबोर रहता था। इसीलिए इन छोटी-मोटी बातों की ओर किसी का ध्यान हीं नहीं जाता था। उसी सात्विक वातावरण में 11 सितम्बर, सन् 1895 को विनोबा का जन्म हुआ। उनके बचपन का नाम था विनायक। माँ उन्हें प्यार से विन्या कहकर बुलातीं। विनोबा के अलावा रुक्मिणी बाई के दो और बेटे थे, वाल्कोबा और शिवाजी। विनायक से छोटे वाल्कोबा, शिवाजी सबसे छोटे थे। विनोबा नाम उन्हें गाँधी जी ने दिया था।

अध्याय 10
क्रिया

मौखिक प्रश्न

उ० (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का बोध हो उन्हें क्रिया कहते हैं।

(ख) क्रिया दो प्रकार की होती है– अकर्मक क्रिया तथा सकर्मक क्रिया।

(ग) क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। उदाहरण- खा, पी, लिख, पढ़ आदि।

(घ) 'हर्षित सोता है।' वाक्य में कोई कर्म नहीं हो रहा, इसलिये इसमें अकर्मक क्रिया है।

(ङ) सकर्मक क्रिया की पहचान यह है कि इसका प्रभाव सीधा कर्म पर पड़ता है, जैसे- वैभव दूध पीता है।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

(घ) (i)

उ०2. (क) चलाया (ख) जाएँगे (ग) लगाए

(घ) बोलती

उ०3.

	क्रिया पद	भेद
(क) हिमानी ने पत्र लिखा।	लिखा	सकर्मक
(घ) भिखारी प्रार्थना कर रहा है।	कर	सकर्मक
(ग) मुन्नी जोर-जोर से रो रही है।	रो	अकर्मक
(घ) सुगंध कल चली जायेगी।	चली	अकर्मक

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

(1) सूरज	(i) होना
(2) फूल	(ii) उगाना
(3) वर्षा	(iii) सिलना
(4) गेहूँ	(iv) खिलना
(5) कपड़े	(v) निकालना
(6) गाना	(vi) करना
(7) नृत्य	(vii) सुनाना

उ० (ख) (i) खिलाड़ी क्रिकेट खेल रहे हैं।

(ii) बच्चे झूला झूल रहे हैं।

(iii) बच्चे प्रार्थना कर रहे हैं।

(iv) लोग ब्रेकरी से सामान खरीद रहे हैं।

(v) वर्षा हो रही है।

अध्याय 11

काल

मौखिक प्रश्न

उ० (क) क्रिया के जिस रूप से क्रिया के होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद होते हैं- 1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल, 3. भविष्यत् काल।

(ग) भूतकाल से।

(घ) आने वाले समय का बोध।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (i)

उ०2. (क) दादी माँ पूजा करती हैं।

(ख) रविवार को बैंक बंद रहेगा।

(ग) पिताजी खाना खा रहे थे।

(घ) सुगंधा निबंध लिखती है।

(ङ) नेता जी भाषण देंगे।

उ०3.

	क्रिया पद	भेद
(क) उपवन सुंदर फूलों से सजा है।	सजा	सकर्मक
(ख) हम कल दिल्ली जाएंगे।	जाएंगे	अकर्मक
(ग) सुबह से वर्षा हो रही है।	हो	सकर्मक
(घ) हर्षित ने सुंदर चित्र बनाया।	बनाया	सकर्मक
(ङ) बच्चा बैठे-बैठे ही सो गया।	सो	अकर्मक

क्रियात्मक कार्य

•

(क) आँधी में धूल	(i) बजा रही है।
(ख) बिल्ली चूहे की तलाश में	(ii) उड़ने लगा।
(ग) अमृता सितार	(iii) उड़ने लगी।
(घ) सूरज शाम को	(iv) घूमने लगी।
(ङ) हवाई जहाज आकाश में	(v) डूबता है।

अध्याय 12

अविकारी शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) जिन शब्दों में कोई विकार उत्पन्न नहीं होता उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

(ख) अविकारी शब्दों के चार प्रकार होते हैं।

(ग) जो शब्द क्रिया की रीति, काल, स्थान व परिमाण संबंधी विशेषताएँ बताते हैं, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं।

(ङ) समुच्चयबोधक शब्द को योजक भी कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (iii)

उ०2.

	क्रिया विशेषण	भेद
(क)	शांतिपूर्वक	रीतिवाचक क्रिया विशेषण
(ख)	बाहर	स्थानवाचक क्रिया विशेषण
(ग)	प्रातः	कालवाचक क्रिया विशेषण
(घ)	ज्यादा	परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
(ङ)	बहुत	परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

उ०3. (क) के मारे (ख) से दूर (ग) के भीतर

(घ) के बिना (ङ) के पीछे

उ०4. (क) अन्यथा (ख) और (ग) वरना

(घ) क्योंकि (ङ) परंतु

उ०5. (क) वाह! (ख) छि! (ग) अरे!

(घ) हे (ङ) शाबाश!

क्रियात्मक कार्य

•	अचानक	मोनी अचानक ठोकर खाकर गिर गई।
	काश!	काश! तुम भी नैनीताल चलते।
	इधर-उधर	इधर-उधर देखकर सड़क पार करो।
	परंतु	दीपा बहुत सुंदर गाती है परंतु वह पढ़ने में कमजोर है।

अध्याय 13

विराम चिह्न

मौखिक प्रश्न

उ० (क) भाषा को लिखते समय कुछ क्षण रुकने के लिए संकेत चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

(ख) विराम चिह्नों के प्रयोग से भाषा का सही अर्थ समझ आता है।

(ग) पढ़ते समय जहाँ थोड़ी देर रुकना हो, वहाँ विराम चिह्न लगाते हैं।

(घ) वाक्य के पूर्ण होने का संकेत देने के लिए पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग करते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

(घ) (i) (ङ) (iii)

उ०2. (क) लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था– ''जय जवान जय किसान''।

(ख) तुम कब वापस आओगे?

(ग) हाय! बेचारी का पैर टूट गया।

(घ) मैंने बाजार से सब्जियाँ, फल और दालें खरीदीं।

(ङ) हमें अपने आस-पास सफाई रखनी चाहिए।

उ०3. (,) अल्प विराम (!) विस्मयादिबोधक चिह्न

(;) अद्‌र्ध विराम (?) प्रश्नवाचक चिह्न

(''...'') उद्‌धरण चिह्न (-) योजक चिह्न

क्रियात्मक कार्य

• (i)	अचानक	जोर की आवाज से अचानक उसकी आँखें खुल गईं।
(ii)	योजक चिह्न	वह दिन-रात मेहनत करता है।
(iii)	विस्मयादिबोधक चिह्न	वाह! कितना सुंदर दृश्य है।
(iv)	उद्‌धरण चिह्न	'जय जवान, जय किसान' का नारा लाल बहादुर शास्त्री जी ने दिया था।
(v)	प्रश्नवाचक चिह्न	तुम कहानी कब लिखते हो?

अध्याय 14

वाक्य

मौखिक प्रश्न

उ० (क) सार्थक शब्दों के व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं।

(ख) वाक्य के दो अंग होते हैं- 1. उद्देश्य और 2. विधेय।

(ग) अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं- 1. विधानवाचक वाक्य 2. प्रश्नवाचक वाक्य 3. आज्ञावाचक वाक्य 4. निषेधवाचक वाक्य 5. इच्छावाचक वाक्य 6. संदेहवाचक वाक्य 7. संकेतवाचक वाक्य और 8. विस्मयादिबोधक वाक्य।

(घ) आदेश देने वाले वाक्य को आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

(घ) (ii)

उ०2.

	उद्देश्य	**विधेय**
(क)	विद्यार्थी	परीक्षा दे रहे हैं।
(ख)	माँ ने	सबके लिये खीर बनाई।
(ग)	मेरे पापा	कल दिल्ली जाएगें।
(घ)	गीतांजलि	चित्र बना रही है।
(ङ)	गाँधी जी	अहिंसा के पुजारी थे।

उ०3.

(क)	ईश्वर तुम्हें लंबी आयु दे।	इच्छावाचक वाक्य
(ख)	शायद कल हम फिल्म देखने जाएँ।	संदेहवाचक वाक्य
(ग)	मैं गाड़ी नहीं चला सकता।	निषेधवाचक वाक्य
(घ)	तुम यहाँ से तुरंत चले जाओ।	आज्ञावाचक वाक्य
(ङ)	क्या तुम कल मेरे घर आओगे?	प्रश्नवाचक वाक्य

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) (i) अमित पत्र लिखो।

(ii) माली पौधों को नहीं सींचता है।

(iii) शायद कल विद्यालय बंद रहेगा।

(iv) यदि तुम पढ़ोगे तो इनाम मिलेगा।

(v) अनुजा किताब पढ़ो।

(ख) (i) सचिन क्रिकेट खेलता है।

(ii) क्या सचिन क्रिकेट खेलता है?

(iii) सचिन क्रिकेट खेलो।

(iv) सचिन क्रिकेट नहीं खेलता है।

(v) सबकी इच्छा है कि सचिन क्रिकेट खेलता रहे।

(vi) शायद सचिन कल क्रिकेट खेले।

(vii) यदि सचिन क्रिकेट खेलेगा तो टीम जीत सकती है।

(viii) शाबाश! सचिन ने कितना अच्छा क्रिकेट खेला है।

अध्याय 15

शब्द-भंडार

1. पर्यायवाची शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) किसी शब्द के समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

(ख) पानी, नीर, सलिल आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

(घ) (ii)

उ०2. (क) पेड़ पृथ्वी के आभूषण कहलाते हैं।

(ख) मालकिन ने निर्धन भिखारी को कपड़े दिए।

(ग) मैं प्रातः देवनदी में नहाने गया।

(घ) हमें बड़ों का आदर करना चाहिये।

(ङ) 15 अगस्त को हमने राष्ट्रीय झंडा फहराया।

क्रियात्मक कार्य

उ०2. (क)

नेत्र, नयन

अग्नि, पावक

साँप, सर्प

नदी, सरिता

चाँद, शशि

बादल, मेघ

उ० (ख)

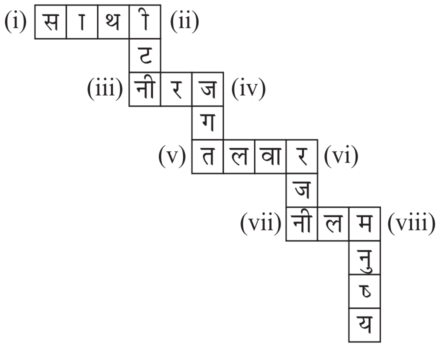

(i) मित्र का पर्यायवाची
(ii) नदी का पर्यायवाची
(iii) पंकज का पर्यायवाची
(iv) विश्व को यह भी कहते हैं।
(v) एक प्रकार का हथियार
(vi) रात का पर्याय
(vii) एक प्रकार का रत्न
(viii) मानव का पर्यायवाची

2. विलोम शब्द

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) बासी (ख) उत्तर (ग) चढ़ाव
(घ) उत्तीर्ण (ङ) निडर

उ०2. (क) गुण — (i) मंद
(ख) तीव्र — (ii) दुर्भाग्य
(ग) स्वाधीन — (iii) दुर्गुण
(घ) सौभाग्य — (iv) ऐच्छिक
(ङ) अनिवार्य — (v) कृतघ्न
(च) कृतज्ञ — (vi) पराधीन

क्रियात्मक कार्य

प	क्व	का	अ	पा
प्र	दा	न	व	ता
क	ख	क	न	ल
ग	घ	ली	ति	च
अ	प	का	र	नी
अ	प	य	श	चा

कच्चा – पक्का   आकाश – पाताल
ऊँचा – नीचा   यश – अपयश
आदान – प्रदान   असली – नकली
उपकार – अपकार   उन्नति – अवनति

3. अनेक शब्दों के लिये एक शब्द

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

(घ) (i)

उ०2. (क) रमेश के पिता सैनिक हैं।

(ख) अनुप्रिया की दादी आस्तिक हैं।

(ग) रामदीन परोपकारी व्यक्ति है।

(घ) परसों से मेरी वार्षिक परीक्षाएँ हैं।

(ङ) रिदिमा की बहन कवयित्री है।

उ०3.

सत्यवादी	जो सत्य बोलता हो
स्वदेशी	जो अपने देश का हो
मासिक	जो महीने में एक बार हो
मूर्तिकार	जो मूर्ति बनाता हो
अपव्ययी	फालतू खर्च करने वाला
वक्ता	बोलने वाला
अनंत	जिसका कोई अन्त न हो
सामाजिक	समाज से संबंध रखने वाला
अनाथ	जिसके माता-पिता न हों

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

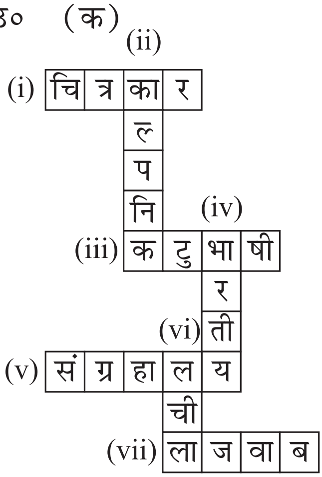

(i) चित्र बनाने वाला – चित्रकार

(ii) कल्पना में स्थित – काल्पनिक

(iii) कड़वा बोलने वाला – कटुभाषी

(iv) भारत का नागरिक – भारतीय

(v) जहाँ वस्तुओं का संग्रह होता है – संग्रहालय

(vi) जिसमें लचक हो – लचीला

(vii) जिसका कोई जवाब न हो – लाजवाब

(ख)

दर्जी

सैनिक

कुम्हार

किसान

डॉक्टर

शिक्षिका

अध्याय 16
मुहावरे और लोकोक्तियाँ

लिखित प्रश्न

उ० (क) अक्ल का अंधा – मूर्ख

राजन तो अक्ल का अंधा है, वह तो सब काम बिगाड़ देगा।

(ख) आँख दिखाना – डराना

शिक्षक के आँख दिखाते ही सब बच्चे शांत हो गये।

(ग) कान खड़े होना – सावधान होना

आहट होते ही टॉमी के कान खड़े हो गये।

(घ) चिराग तले अँधेरा – अपनी बुराई दिखाई न देना

शर्मा जी स्वयं तो शिक्षक हैं परन्तु उनका बेटा इस बार भी फेल हो गया, इसे कहते हैं चिराग तले अँधेरा।

(ङ) मुँह में पानी आना – जी ललचाना

मिठाइयों की बात करते ही उसके मुँह में पानी आ गया।

उ०2.

(क) दोहरा लाभ	(i) चिराग तले अँधेरा
(ख) बिल्कुल अनपढ़	(ii) पेट में चूहे कूदना
(ग) अपनी बुराई नहीं दिखती	(iii) आस्तीन का साँप
(घ) बहुत भूख लगना	(iv) काला अक्षर भैंस बराबर
(ङ) अमिट बात	(v) आम के आम गुठलियों के दाम
(च) बहुत मेहनती व्यक्ति	(vi) कोल्हू का बैल
(छ) कपटी व्यक्ति	(vii) पत्थर की लकीर

अध्याय 17

अपठित गद्यांश

उ०1. (क) सत्यवादी

(ख) शाबाशी दी।

(ग) रोते हुए सच्चाई बता दी।

(घ) सत्यवादिता के कारण।

(ङ) सत्यवादी बालक गोपाल।

उ०2. (क) समय का सदुपयोग, तनावमुक्ति तथा सफलता प्राप्त होती है।

(ख) इससे आसानी रहती है।

(ग) बच्चों नाश्ता तथा भोजन नहीं मिल पायेगा।

(घ) समय का महत्व

(ङ) सदुपयोग - सही प्रयोग, सम्मान - आदर, तनाव - चिंता

(च) कामयाबी, विजय

(छ) जीवन-जिन्दगी, बढ़ना-आगे जाना, पीछे-पूर्व में।

उ०3. (क) अशोक की उदारता और दया के कारण इतिहासकार उसकी प्रशंसा करते हैं।

(ख) अशोक के जीवन का उद्देश्य जनहित करना था।

(ग) अशोक के आदर्श हमें दया तथा उदारता की प्रेरणा देते हैं।

(घ) अशोक महान

(ङ) उदार-अनुदार, सेवक-स्वामी

(च) संरक्षक- पालन-पोषण करने वाला

साम्राज्य- पूर्ण प्रभुता

संकीर्णता- छोटी सोच

(छ) राजा, महाराजा, नरेश

उ०4. (क) वह घास चर रहा था।

(ख) जंगल के किनारे गधे के मालिक सुखिया का घर था।

(ग) बाघ

(घ) हरी-हरी, खतरा, चालाक

(ङ) पास-दूर, हरी-सूखी

उ०5. (क) कल्पवृक्ष, सर्वरोगहारी, गाँव का हकीम आदि।

(ख) नीम के उपयोग से कीडा नहीं लगता।

(ग) नीम हकीम

(घ) सूखे, गरम, चमकदार

(ङ) दवा - दुआ

शुद्ध - अशुद्ध

सूखा - गीला

उ०6. (क) सुख-दुःख।

(ख) पुराने मित्रों को नहीं भूलना चाहिये।

(ग) मित्रता।

(घ) सामाजिक- समाज से संबंध रखने वाला।

अस्थायी- जो स्थायी न हो।

निःस्वार्थ- बिना स्वार्थ के।

(ङ) सुख-दुख, मित्र-शत्रु, अटूट-कमजोर या टूटा हुआ।

अध्याय 19

संवाद लेखन

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) रोहन – क्या तुमने कल क्रिकेट मैच देखा?

सुरेश – हाँ, बहुत ही रोचक मैच था।

रोहन – भारत ने बड़ी जीत हासिल की।

सुरेश – मुझे पता है, पर न्यूजीलैंड का प्रदर्शन भी अच्छा था।

रोहन – हाँ, वे भी अच्छा खेले।

सुरेश – मैं भी अच्छा खेलने का प्रयास करूँगा।

(ख) हर्ष – यह पुस्तक कितने की है?

दुकानदार – यह तो पुरानी है।

हर्ष – बिकाऊ है कि नहीं?

दुकानदार – बिकाऊ नहीं है, यह केवल सैम्पल के लिए लगाई गई है, लेकिन इसका नया संस्करण है।

हर्ष – तो बताते क्यों नहीं, कितने पैसे की है?

दुकानदार – 125 रुपये की।

हर्ष – ठीक दाम, बताओ।

दुकानदार – ठीक-ठाक 15 रुपये में लेना है तो लो, इससे कम नहीं होगा।

हर्ष – ठीक है, पैक कर दो।

(ग) **माँ-बेटी के बीच टीवी को लेकर संवाद**

माँ – मोनी तुम फिर से टीवी देखने लगी हो क्या?

मोनी – हां, माँ अभी मेरा पसंदीदा नाटक आने वाला है।

माँ – हमारे पडोस में, शर्मा जी की बेटी कंचन को टीवी अधिक देखने के कारण आँखों की समस्या हो गई है। क्या तुम्हें पता है?

मोनी – हाँ, परंतु मैं इतना टीवी नहीं देखती।

माँ – मेरी सलाह है कि तुम्हें टीवी देखने के बजाय बाल-कहानियों की पुस्तक पढ़नी चाहिये।

मोनी – ठीक है, मेरी प्यारी माँ...... अब से मैं टीवी बहुत कम देखूँगी।

(घ) मोहित – कल तो रंगों का त्योहार है।

शोभित – हाँ, बहुत मजा आयेगा।

मोहित – तुमने कौन–कौन से रंग खरीदे हैं?

शोभित – मेरे दादा जी कल ही मुझे लाल, हरा, पीला और गुलाबी रंग दिलवाकर लाये।

मोहित – मैं तो केवल हर्बल तथा कैमिकल रहित रंगों का ही प्रयोग करूँगा।

शोभित – सही कह रहे हो मित्र, हमें रासायनिक तथा हानिकारक रंगों से बचना चाहिये।